

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *202
जिसका उत्तर 03 अगस्त, 2023 को दिया जाना है।

.....

जलाशयों की तत्कालीन संग्रहण स्थिति

*202. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री प्रतापराव जाधव:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या केन्द्रीय जल आयोग देश में 146 जलाशयों की तत्कालीन संग्रहण स्थिति की साप्ताहिक आधार पर निगरानी करता है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और आज की स्थिति के अनुसार उक्त जलाशयों की तत्कालीन कुल संग्रहण क्षमता क्षेत्र-वार कितनी है;
- (ग) क्या देश में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में समग्र तत्कालीन भंडारण की स्थिति में छह प्रतिशत की कमी आई है;
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इन जलाशयों की भंडारण क्षमता में सुधार/वृद्धि करने के लिए क्या सुधारात्मक उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं;
- (ङ) क्या कम वर्षा के कारण दक्षिणी क्षेत्र के चालीस जलाशयों का जल स्तर पिछले वर्ष के स्तर से अठारह प्रतिशत नीचे बना हुआ है जबकि उत्तरी क्षेत्र के जलाशयों में अत्यधिक वर्षा के कारण काफी सुधार हुआ है; और
- (च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और दक्षिणी क्षेत्र में इस समस्या से निपटने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

“जलाशयों की तत्कालीन संग्रहण स्थिति” के संबंध में दिनांक 03.08.2023 को लोक सभा में उतर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *202 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): जी, हां। केन्द्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) देश भर में फैले 146 महत्वपूर्ण जलाशयों की सक्रिय संग्रहण स्थिति की मॉनीटरिंग करता है और प्रत्येक गुरुवार को एक साप्ताहिक बुलेटिन जारी करता है।

(ख): केन्द्रीय जल आयोग के दिनांक 27.07.2023 के बुलेटिन के अनुसार, 146 महत्वपूर्ण जलाशयों की कुल सक्रिय संग्रहण क्षमता का क्षेत्र-वार और राज्य-वार ब्यौरा **अनुलग्नक-1** में दिया गया है।

(ग) और (घ): सीडब्ल्यूसी के दिनांक 27.07.2023 के बुलेटिन के अनुसार, 146 जलाशयों में उपलब्ध सक्रिय संग्रहण पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के कुल सक्रिय संग्रहण का 85 प्रतिशत है। इसका मुख्य कारण देश में मानसूनी वर्षा का एक असमान रूप से होना है।

राज्यों को उपलब्ध जल संसाधनों के लिए अपेक्षित सुधारात्मक उपाय और उनके विवेकपूर्ण इस्तेमाल हेतु एडवाईजरी जारी की जाती हैं।

वर्ष 2012-2021 के दौरान कार्यान्वित विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित बांध पुनर्वासन और सुधार परियोजना (डीआरआईपी), चरण-I में कुछ जलाशयों की खोई हुई क्षमता को यथासंभव पुनरुद्धार करने के लिए आवश्यकता अनुसार, उनमें से गाद हटाने का प्रावधान था। इस समय, डीआरआईपी चरण-II और III योजना (2021-2031) कार्यान्वित की जा रही है और इन योजनाओं में चयनित जलाशयों की आवश्यकता अनुसार, गाद हटाने के लिए डीआरआईपी चरण-I के समान प्रावधान है। इस स्कीम के अंतर्गत प्रस्तावित तलछट प्रबंधन कार्यकलापों में अन्य बातों के साथ-साथ कैचमेंट क्षेत्र उपचार, जलाशयों से गाद हटाना आदि जैसे शामिल हैं।

हाल ही में, इस संबंध में जल शक्ति मंत्रालय ने समग्र रूप से तलछटों के प्रबंधन के लिए "तलछट प्रबंधन संबंधी एक राष्ट्रीय फ्रेमवर्क" भी तैयार किया है।

(ड.) और (च): दिनांक 27.07.2023 के सीडब्ल्यूसी बुलेटिन के अनुसार, दक्षिणी क्षेत्र में 40 जलाशयों का सक्रिय संग्रहण पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के संग्रहण का 50.4 प्रतिशत है। इन 40 जलाशयों की सक्रिय संग्रहण स्थिति अनुलग्नक-2 में दी गई है। उत्तरी क्षेत्र में सीडब्ल्यूसी द्वारा मॉनीटर किए गए 10 जलाशयों का संग्रहण पिछले वर्ष की इसी अवधि के कुल संग्रहण का 187.7 प्रतिशत है।

इसके अलावा, साप्ताहिक बुलेटिन संबंधित राज्यों के जल संसाधन विभागों के साथ साझा किए जाते हैं और सीडब्ल्यूसी की वेबसाइट पर भी अपलोड किए जाते हैं। यह साप्ताहिक बुलेटिन कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप (सीडब्ल्यूडब्ल्यूजी) के साथ भी साझा किए जाते हैं। सीडब्ल्यूसी के प्रतिनिधि, देश भर में कृषि गतिविधियों की समीक्षा करने और संकट की स्थिति में राज्यों को उपचारात्मक उपाय सुझाने के लिए सीडब्ल्यूडब्ल्यूजी द्वारा बुलाई गई बैठकों में भाग लेते हैं। सूखा प्रबंधन संबंधी क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप (सीडब्ल्यूडब्ल्यूजीडीएम), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार मानसून पूर्व मौसम के दौरान प्रत्येक सप्ताह बैठक आयोजित करता है जिसमें देश में जलाशय संग्रहण की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए केन्द्रीय जल आयोग के प्रतिनिधि भाग लेते हैं ताकि इस संबंध में सीडब्ल्यूडब्ल्यूजीडीएम आगे आवश्यक कार्रवाई कर सके।

इसके अलावा, जब कभी किसी राज्य में सीडब्ल्यूसी मॉनीटरिंग के तहत सभी जलाशयों के मौजूदा संग्रहण का डिपार्चर प्रतिशत सामान्य (पिछले दस वर्षों के औसत भंडार) के 80% से कम हो जाता है, तो उपलब्ध जल के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए राज्य सरकार को एडवाईजरी जारी की जाती है।

“जलाशयों की तत्कालीन संग्रहण स्थिति” के संबंध में दिनांक 03.08.2023 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *202 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

संग्रहण की मौजूदा स्थिति				
27.07.2023				
क्र.सं.	क्षेत्र/राज्य	सक्रिय संग्रहण (बीसीएम)		पिछले वर्ष की तुलना में मौजूदा वर्ष का प्रतिशत
		मौजूदा वर्ष	पिछले वर्ष	
उत्तरी क्षेत्र				
1	हिमाचल प्रदेश	9.457	4.215	224
2	पंजाब	2.039	1.111	184
3	राजस्थान	3.449	2.634	131
पूर्वी क्षेत्र				
1	झारखंड	0.700	0.509	138
2	ओडिशा	3.692	3.428	108
3	पश्चिम बंगाल	0.332	0.583	57
4	त्रिपुरा	0.107	0.144	74
5	नगालैंड	0.279	0.210	133
6	बिहार	0.049	0.060	82
पश्चिमी क्षेत्र				
1	गुजरात	10.228	10.126	101
2	महाराष्ट्र	10.492	14.570	72
केन्द्रीय क्षेत्र				
1	उत्तर प्रदेश	1.550	1.566	99
2	उत्तराखंड	2.715	1.984	137
3	मध्य प्रदेश	18.178	18.902	96
4	छत्तीसगढ़	3.050	2.605	117
दक्षिणी क्षेत्र				
1	आंध्र प्रदेश/तेलंगाना	1.263	7.393	17
2	आंध्र प्रदेश	1.070	2.730	39
3	तेलंगाना	1.986	4.076	49
4	कर्नाटक	12.229	18.050	68
5	केरल	1.327	2.407	55
6	तमिलनाडु	1.744	4.274	41
संपूर्ण देश		85.936	101.577	85

“जलाशयों की तत्कालीन संग्रहण स्थिति” के संबंध में दिनांक 03.08.2023 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न संख्या *202 के भाग (ड.) और (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

क्र.सं.	जलाशय का नाम	(राज्य)	मौजूदा वर्ष	पिछले वर्ष	पिछले वर्ष की तुलना में मौजूदा वर्ष का प्रतिशत
			सक्रिय संग्रहण (बीसीएम)	सक्रिय संग्रहण (बीसीएम)	
1	श्रीशैलम	आंध्र प्रदेश/तेलंगाना	0.983	5.243	18.7
2	नागार्जुन सागर	आंध्र प्रदेश/तेलंगाना	0.28	2.15	13.0
3	सोमासिला	आंध्र प्रदेश	0.477	1.604	29.7
4	येलेरू	आंध्र प्रदेश	0.08	0.141	56.7
5	कडालेरू	आंध्र प्रदेश	0.374	0.735	50.9
6	डोनकरायी	आंध्र प्रदेश	0.139	0.25	55.6
7	श्रीरामसागर	तेलंगाना	0.596	2.128	28.0
8	लोअर मनेयर	तेलंगाना	0.222	0.578	38.4
9	निज़ाम सागर	तेलंगाना	0.41	0.476	86.1
10	सिंगूर	तेलंगाना	0.602	0.76	79.2
11	प्रियदर्शिनी जुराला	तेलंगाना	0.156	0.134	116.4
12	कृष्णराज सागर	कर्नाटक	0.61	1.163	52.5
13	तुंगभद्रा	कर्नाटक	1.137	2.967	38.3
14	घटप्रभा(हिडकल)	कर्नाटक	0.768	0.974	78.9
15	भद्र	कर्नाटक	0.923	1.732	53.3
16	लिंगनमक्की	कर्नाटक	1.765	2.601	67.9
17	नारायणपुर	कर्नाटक	0.267	0.684	39.0
18	मालाप्रभा (रेणुका)	कर्नाटक	0.392	0.604	64.9
19	काबिनी	कर्नाटक	0.415	0.438	94.7
20	हेमवती	कर्नाटक	0.648	0.927	69.9
21	हरंगी	कर्नाटक	0.169	0.195	86.7
22	सुपा	कर्नाटक	1.943	1.892	102.7
23	वाणी विलास सागर	कर्नाटक	0.649	0.639	101.6
24	अलमट्टी	कर्नाटक	2.05	2.587	79.2
25	गेरुसोप्पा	कर्नाटक	0.098	0.089	110.1
26	मणि बांध	कर्नाटक	0.273	0.412	66.3
27	टाटीहल्ला	कर्नाटक	0.122	0.146	83.6
28	कल्लाडा(पराप्पर)	केरल	0.203	0.224	90.6
29	इदमलयार	केरल	0.392	0.654	59.9
30	इडुक्की	केरल	0.439	0.958	45.8
31	कक्की	केरल	0.155	0.281	55.2
32	पेरियार	केरल	0.067	0.142	47.2
33	मलमपुझा	केरल	0.071	0.148	48.0
34	लोअर भवानी	तमिलनाडु	0.482	0.792	60.9
35	मेट्टूर(स्टेनली)	तमिलनाडु	0.806	2.647	30.4
36	वैगई	तमिलनाडु	0.054	0.119	45.4
37	परम्बिकुलम	तमिलनाडु	0.159	0.358	44.4
38	अलियार	तमिलनाडु	0.002	0.079	2.5
39	शोलायार	तमिलनाडु	0.09	0.143	62.9
40	सथानुर	तमिलनाडु	0.151	0.136	111.0
	कुल		19.619	38.93	50.4